दुनिया को एक परिवार बनाएगी डिजिटल इकनॉमी

सीएम योगी बोले- वन अर्थ, वन फैमिली, वन फ्यूचर- वसुधैव कुटुम्बकम का ही रूप

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि डिजिटल इकनॉमी वसुधैव कुटुम्बकम के भाव के साथ पूरी दुनिया को एक परिवार के रूप में आगे बढ़ाने में मदद कर सकती है। यूपी में डिजिटल प्लेटफॉर्म के उपयोग से न केवल कामकाज में पारदर्शिता और सुगमता आई है बल्कि सरकार को प्रति वर्ष सैकड़ों करोड़ की बचत हो रही है।

मुख्यमंत्री ने सोमवार को जी-20 देशों की डिजिटल इकनॉमी वर्किंग ग्रुप की बैठक के उद्घाटन सत्र को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि यह बैठक कुछ नए मुद्दों को लेकर आगे बढ़ेगी। मानव कल्याण के कार्यों को एक नई दिशा देगी। उन्होंने कहा कि वन अर्थ, वन फैमिली, वन फ्यूचर भारत की दुनिया के बारे में उस सोच को प्रदर्शित करता है कि, जो कुछ भी भारत के पास था उसे बिना राग द्वेष या किसी अहंकार के कभी यह नहीं कहा कि यह मेरा है या इस पर मेरा ही एकाधिकार है।

>> विशेष पेज व माईसिटी भी पढ़ें...

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को लखनऊ में जी-20 डिजिटल इकनॉमी वर्किंग ग्रुप की बैठक का उद्घाटन किया। उनके साथ केंद्रीय सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव मौजूद रहे। -संवाद

हर साल 1200 करोड़ की बचत

मुख्यमंत्री ने कहा कि यूपी तकनीक के उपयोग में सबसे आगे हैं। यहां 80 हजार राशन की दुकानें हैं। 6 वर्ष पहले शिकायत होती थी कि खाद्यान्न गरीबों को नहीं मिल पाता है। इस पर रोक के लिए प्रदेश सरकार ने ई पॉज मशीन लगाई। 15 करोड़ लोगों को पब्लिक डिस्ट्रिब्यूशन सिस्टम (पीडीएस) से खाद्यान्न उपलब्ध हो रहा है। इससे प्रतिवर्ष 1200 करोड़ रुपये की बचत हो रही है। तकनीक के बेहतर उपयोग से परिवर्तन देखने को मिला।

डिजिटल भुगतान बढ़ रहा

- सीएम ने कहा कि कोविन डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए कोरोना महामारी के दौरान प्रदेश में अब तक 40 करोड़ वैक्सीन की डोज नागरिकों को लगाने में सफलता प्राप्त की।
- प्रदेश के 2.60 लाख किसानों को प्रधानमंत्री सम्मान निधि का लाभ, एक करोड़ निराश्रित महिलाओं, दिव्यांगों, वृद्धजनों को पेंशन डीबीटी से दी जा रही है।
- एक करोड़ विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति और बेसिक स्कूलों के 1.91 लाख बच्चों को पाठ्यसामग्री और यूनिफॉर्म का भुगतान ऑनलाइन किया जा रहा है। युवाओं को तकनीकी रूप से सक्षम बनाने के लिए उन्हें दो करोड़ टैबलेट व स्मार्टफोन उपलब्ध कराने का काम कर रहे हैं।

इन्वेस्टर्स समिट में भी तकनीक कारगर

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में शासकीय कामकाज में ई-ऑफिस की प्रणाली लागू होने का परिणाम है कि कार्यप्रणाली में पूरी पारदर्शिता आई है। सरकार ने ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के आयोजन में भी डिजिटल प्लेटफॉर्म पर आधारित निवेश सारथी, निवेश मित्र, इंसेंटिव सिस्टम को लागू किया। इसी का परिणाम है कि प्रदेश एक नई अर्थव्यवस्था के रूप में खुद को स्थापित करने की ओर अग्रसर हो रहा है।